सृष्टि चक्र

ओं इत्येकाक्षरं ब्रह्म

ॐ हिरण्यगर्भ: समवर्तताग्रे भूतस्य जात: पतिरेक आसीत्।

स दाधार पृथिवीं द्यामुतेमाम् कस्मै देवाय हविषा विधेम!

पंजीयन संख्या: UTTHIN/2006/17322

डी.ए.वी.पी. (भारत सरकार) द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त

डाक पंजीयन संख्या: यू.ए./डी.ओ./दे.दून/291/.2024-26

वर्ष-20 अंक-03 | साप्ताहिक हरिद्वार (उत्तराखण्ड) | बृहस्पतिवार 12 जून 2025 | पृष्ठ-4 मूल्य 1 रूपया

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में धनगर समाज द्वारा आयोजित लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती कार्यक्रम में प्रतिभाग किया

एस.गुप्ता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकमाता पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर को नमन करते हुए कहा कि पाल-धनगर समाज प्राचीन काल से भारत की पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार रहा है। जिसने न केवल देश की प्रगति और उन्नति में आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संजोने और आगे बढ़ाने में भी अहम भूमिका निभाई है।आज भी ये समाज अपनी मेहनत, निष्ठा और आत्मसम्मान के बल पर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर भारतीय इतिहास की एक ऐसी पुण्यात्मा हैं जिन्होंने नारीशक्ति का श्रेष्ठतम उदाहरण हमारे सम्मुख प्रस्तुत किया। लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी का सम्पूर्ण

जीवन सनातन जीवन मूल्यों और भारतीय संस्कृति की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने काशी विश्वनाथ, सोमनाथ, द्वारका,रामेश्वरम,अयोध्या और मथुरा के साथ ही हमारी देवभूमि के बद्रीनाथ, केदारनाथ और हरिद्वार में मंदिरों और घाटों का पुनर्निर्माण कराया। रानी अहिल्याबाई होलकर ने उस कालखंड में नारी सशक्तिकरण की भी ऐसी अनुपम मिसाल प्रस्तुत की, जिसकी कल्पना कर पाना भी उस समय कठिन था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सैकड़ों वर्षों तक विदेशी आक्रांताओं ने और फिर स्वतंत्रता के बाद भी गुलामी की मानसिकता से ग्रसित सरकारों ने हमारी महान विभूतियों के योगदान को वो सम्मान नहीं दिया, जिसके वे वास्तव में हक़दार थे। हमारी युवा पीढ़ी को उनके गौरवशाली इतिहास से वंचित रखने का सुनियोजित षड्यंत्र रचा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण के अमृतकाल में प्रवेश कर चुका है। वर्षों तक उपेक्षित रहे हमारे गौरवशाली इतिहास, महान राष्ट्रनायकों के योगदान और सांस्कृतिक विरासत को आज न केवल पुर्नस्थापित किया जा रहा है, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय चेतना का आधार भी बनाया जा रहा है। आज हमारी सनातन संस्कृति की पताका संपूर्ण विश्व में गर्व से लहरा रही है और भारत अपनी जड़ों से जुड़ते हुए पुन: विश्वगुरु बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। आज चाहे भव्य राम मंदिर का निर्माण हो, बद्रीनाथ और केदारनाथ धामों का पुनर्निर्माण हो, बाबा विश्वनाथ के गलियारे का विस्तार हो या महाकाल लोक का निर्माण हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। चाहे महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण की मंजूरी देना हो, बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं अभियान द्वारा बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देना हो, उज्वला योजना से महिलाओं को चूल्हे के धुंवे से मुक्ति दिलाना हो, लखपति दीदी योजना द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना हो या फिर ट्रिपल तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त करना हो। ऐसे अनेकों निर्णयों के माध्यम से मोदी ने मातृशक्ति का सम्मान सुनिश्चित करने का काम किया है। आज जो दुश्मन हमे आँख दिखाया करते थे वो बचने के लिए दुनिया भर के देशों से गुहार लगाते फिर रहे हैं।

ब्रह्मलीन पायलट बाबा के शिष्यों ने लगायी न्याय की गुहार

अमित गुप्ता

हरिद्वार। ब्रह्मलीन पायलट बाबा के शिष्यों ने पुलिस प्रशासन से आश्रम में जारी विवाद की निष्पक्ष जांच कर न्याय करने और आश्रम की सेवा संस्कृति को पुर्नस्थापित करने की मांग की है। प्रैस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए साध्वी पूर्णानंद गिरी ने आरोप लगाते हुए कहा कि आश्रम रहने वाले ब्रह्मलीन पायलट बाबा के शिष्यों के साथ मारपीट और दुर्व्यवहार किया जा रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आश्रम की संपत्ति को खुर्दबुर्द करने के लिए फर्जी वसीयत बनायी गयी और आश्रम में काम करने वाले लोगों को फर्जी तरीके से ट्रस्टी घोषित कर दिया गया। बाउंसरों द्वारा शिष्यों के साथ मारपीट करने के साथ उन्हें धमकाया जा रहा है।

भेल क्षेत्र में हुआ यूनिपोल्स के खेल में करोड़ों का खेला

डॉ हिमांशु द्विवेदी

हरिद्वार। भेल में 5 साल तक अवैध यूनिपोल लगाकर किसने कमाए करोड़ों, सवालों के घेरे में अधिकारियों की भूमिका।भेल में अवैध यूनिपोल हटने के बाद उठ रहे हैं कई सवाल, आरोप है कि अधिकारियों और विज्ञापन माफिया की मिलीभगत से करोड़ों रुपये कमाए गए। पांच साल तक अवैध यूनिपोल लगे रहे और भेल को कोई राजस्व नहीं मिला। अब जांच और राजस्व वसूली की मांग उठ रही है पर अधिकारी इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। आखिर किसकी शह पर पांच साल तक लगे रहे 16 अवैध यूनिपोल। हरिद्वार भेल में अवैध यूनिपोल हटने के साथ ही सबसे बड़ा सवाल यह है कि भेल भूमि पर पांच साल तक 16 अवैध यूनिपोल लगाकर आखिर किसने करोड़ों रुपये कमाए। दूसरा सवाल यह है कि पांच साल तक अवैध यूनिपोल हटाने की जहमत भेल अधिकारियों ने क्यों नहीं उठाई। इस मामले में सीधे तौर पर उन अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के

घेरे में आ गई है, जो संपदा विभाग में बीते पांच सालों में तैनात रहे हैं। चर्चाए जोरों पर हैं कि विज्ञापन माफिया ने कुछ सफेदपोश और अधिकारियों से सांठ-गांठ करते हुए पांच साल तक अवैध यूनिपोल लगाकर करोड़ो रुपये के वारे के न्यारे किए गए। इन सवालों पर भेल में अंदरूनी तौर पर चुप्पी छाई हुई है। लेकिन बाहर आमजन यह जानना चाहते हैं कि क्या भेल प्रबंधन या जिला प्रशासन इस मामले की जांच बैठाते हुए करोड़ों रुपये के राजस्व की रिकवरी की हिम्मत जुटा पाएगा। भेल मध्य मार्ग की मुख्य सड़कों और चौराहों पर वर्ष 219 से 16 अवैध यूनिपोल्स लगे हुए थे। जिन पर विभिन्न कंपनियों और संगठनों के विज्ञापन लगातार चलते रहे। कुछ दिनों पहले भेल नगर प्रशासन की ओर से अभियान चलाते हुए सभी यूनिपोल हटवा दिए गए। तब खुलासा हुआ कि सभी यूनिपोल अवैध रूप से लगे थे। पांच साल में इन यूनिपोल से न तो भेल प्रशासन को कोई राजस्व मिला और न ही कोई वैध अनुमति ली गई थी। मुख्य मार्गों और चौराहों पर लगे विशालकाय यूनिपोल अधिकारियों को नजर न आएं हों, ऐसा संभव नहीं है। इसलिए इस बात में कोई शक नहीं है कि विज्ञापन माफिया ने कुछ अधिकारियों की मिलीभगत से पांच साल तक अवैध यूनिपोल लगाकर करोड़ों रुपये कमाए हैं। पूरे पांच साल तक अवैध यूनिपोल का भेल भूमि पर टिके रहना ही मिलीभगत का सबसे बड़ा सबूत है। सूत्र बताते हैं कि विज्ञापन माफिया, सफेदपोश और अधिकारियों ने मिलकर पूरा खेल खेला है। नवरत्न संस्थान की हर छोटी से छोटी गतिविधियों पर पैनी नजर रखने वाले उच्च प्रबंधन और सतर्कता विभाग को इस खेल की भनक क्यों नहीं लग सकी ?, यह भी हैरत की बात है। अवैध यूनिपोल हटने के साथ ही गोलमाल करने वालों के चेहरे बेनकाब होने भी जरूरी हैंपांच साल में 5.6 करोड़ रुपये डकारे गए।

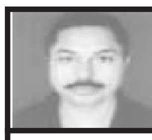

सम्पादकीय

मोदी सरकार के 11 साल

नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल बहुत ही उतर-चढ़ाव वाले रहे हैं। जब नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपानीत राजग गठबन्धन वाली की सरकार बनी थी तो देश में परिस्थितियां काफी भिन्न थी। भारत एक साथ कई मोर्चों पर जूझ रहा था। उसमें आर्थिक मंदी,बेरोजगारी और महंगाई सहित अन्य क्षेत्रों की समस्याएं हमारे सामने थी। यह तो हम सभी को पता है, लेकिन अगर हम यह कहें कि भारत की तस्वीर विश्व पटल पर कमजोर देश की बनती जा रही है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। हम अभी पूर्व की कमियों पर फोकस नहीं कर रहे हैं, हां उन कमियों पर मोदी सरकार कितनी सफल और कितनी असफल रही है कि समीक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं। क्योंकि किसी भी सरकार की नीतियों का सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव भारत पर कितना हुआ है के लिए 11 वर्ष का समय बहुत होता है। वैसे भी मोदी सरकार जो कुछ भी करती है उसकी आलोचना करना विपक्षी दलों के नेता अपना परम धर्म समझते हैं। चाहे वह नीतियां देश हित में ही क्यों ना हो। नरेंद्र मोदी सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य, शिक्षा, रक्षा, दूरसंचार नेटवर्किंग के साथ ही मैन्युफैक्चरिंग हब में भारत की आज एक नई उड़ान भरी है। देश को सबसे अधिक गर्व तो अंतरिक्ष में जो लंबी छलांग लगाई है उसकी कल्पना तो मोदी सरकार ने ही साकार करी है। ऐसा नहीं है कि मोदी सरकार ने सिर्फ विकास कार्यों पर ही काम किया है बल्कि उनकी सरकार ने हमारी सांस्कृतिक विरासत का भी विकास किया और जिसका सजीव चित्रण दिव्य एवं भव्य राम मंदिर के रूप में आज देश और दुनिया के सामने है। अगर हम आधुनिक भारत की रेल कनेक्टिविटी की बात करें तो वंदे भारत से शुरू हुई यात्रा ने अभी हाल ही में एक नए युग में प्रवेश किया है। भारत ने विश्व में सबसे ऊंचा रेल पुल जम्मू-कश्मीर बना कर एक नया इतिहास बना दिया है। जिसे आर्च ब्रिज -चिनाब ब्रिज पर वंदे भारत गर्व से दौड़ रही है। अगर हम मोदी सरकार के इन 11 सालों की बात करें तो इसे विकसित भारत का अमृत काल भी कह सकते हैं। एक तरफ तो नरेंद्र मोदी सरकार देश हित में अच्छे कदम उठाने हैं कभी भी पीछे नहीं हटी, वही दूसरी ओर महंगाई तथा बेरोजगारी के साथ ही जनसंख्या नियंत्रण पर अभी भी मोदी सरकार को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है!

रूड़की में सिंघाड़ा कुकीज बेकरी यूनिट स्थापना हेतु सीडीओ ने किया निरीक्षण

वाणी

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती आकांक्षा कोंडे महोदया के निर्देशों के क्रम में रुड़की विकासखंड में ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने हेतु आस्था सीएलएफ (क्लस्टर लेवल फेडरेशन) के अंतर्गत सिंघाड़ा आटे से निर्मित कुकीज, ब्रेड और बिस्कुट के उत्पादन हेतु बेकरी यूनिट की स्थापना की जा रही है। सीडीओ ने उक्त बेकरी यूनिट का भौतिक निरीक्षण किया। इस अवसर पर बेकरी यूनिट के सफल संचालन हेतु आस्था सीएलएफ से जुड़ी महिलाओं को इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), देहरादून के विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रगति की भी समीक्षा की गई। ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के जिला परियोजना प्रबंधक संजय सक्सेना द्वारा महोदया को प्रशिक्षण व यूनिट स्थापना कार्यों की अद्यतन जानकारी दी गई। निरीक्षण के दौरान महोदया ने यूनिट के निर्माण, बिजली-पानी की व्यवस्था और उत्पादन प्रारंभ की तैयारियों का गहन अवलोकन किया। सीडीओ ने सहायक खंड विकास अधिकारी श्री कमलेश कांडपाल को निर्देशित किया कि समस्त कार्य 12 जून 225 तक पूर्ण कर लिए जाएं, ताकि कुकीज और ब्रेड का उत्पादन समय से शुरू किया जा सके। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि इस कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। इस निरीक्षण के दौरान विकासखंड व जिला स्तरीय समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। यह पहल ग्रामीण उद्यमिता को नई दिशा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कई अवैध कालोनियां हुई धवस्त

अमित कुमार

हरिद्वार। हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण, हरिद्वार तहसील भगवानपुर क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न स्थानों पर अनधिकृत रूप से विकसित/विकसित की जा रही कॉलोनियों को प्राधिकरण की शाखा कार्यालय रूड़की की टीम द्वारा पुलिस बल के साथ ध्वस्त किया गया, अनधिकृत निर्माणकर्ताओं को प्राधिकरण द्वारा उत्तराखण्ड नगर एवं ग्राम नियोजन तथा विकास (संशोधित) अधिनियम 213 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए सुनवाई का पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया। अनधिकृत निर्माणकर्ताओं द्वारा आदेशों के अवहेलना करते हुए अनधिकृत निर्माण/विकास कार्य जारी रखा गया, जिसके उपरान्त नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की गयी।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुड़की में कार्यक्रम परामर्श समिति की बैठक हुई संपन्न

एस. गुप्ता

हरिद्वार। मुख्य विकास अधिकारी आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुड़की, हरिद्वार में कार्यक्रम परामर्श समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में समग्र शिक्षा के एनुअल वर्क प्लान एवं बजट 225-26 पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में वित्तीय वर्ष 225-26 के लिए 72.4 लाख रुपये तथा सैंटर ऑफ एक्सिलेंस के 11.89 लाख रुपये के बजट का अनुमोदन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने मार्गदर्शित करते हुए कहा कि कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु शीर्षक के अनुसार कंटेंट निर्माण करें जिससे वे भविष्य की तैयारी कर सके, दीक्षा एप, पीएमई विद्या, स्वयंप्रभा आदि शैक्षिक एप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए जिससे जनसामान्य को इसका लाभ प्राप्त हो सके। उन्होंने निर्देशित कार्ट3 हुआ कहा कि विद्यालय के बच्चों को आधुनिकतम तकनीकि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस एवं कोडिंग-डिकोडिंग के प्रयोग, लाभ एवं हानि के बारे में जागरूक करने के लिए शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किए जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यालय के छात्रों की राज्य से बाहर शैक्षिक संस्थानों की एक्सपोजर विजिट आयोजित की जाए जिससे विद्यार्थी उनसे ज्ञान प्राप्त कर सके, विद्यालय छात्रों में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत बढई, कुकिंग, इलैक्ट्रशियन, तैराकी आदि जीवन कौशल सीखाने हेतु प्रशिक्षण आयोजित किए जाए जिसमें केजीबीपी तथा सुभाष चन्द्र बोस विद्यालय के छात्रों को भी सम्मिलित किया जाए, राजकीय जूनियर हाई स्कूल विद्यालयों में विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति समझ विकसित करने हेतु विज्ञान लैब स्थापित करने तथा उनमें सामग्री उपलब्ध कराने हेतु जनपद स्तर से प्रयास किए जाए। बैठक में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान रुड़की, हरिद्वारके प्राचार्य कैलाश डंगवाल, जिला शिक्षा अधिकारी बेसिक आशुतोष भण्डारी, एससीईआरटी देहरादून से डॉ अजय कुमार चौरसिया, नरेश चन्द राजा, मौहम्मद वसीम, एपीएफ से डॉ दीपक दीक्षित, जान आलम, डॉ अंजु मलिक, नरेन्द्र सिंह वालिया, डॉ अनिता नेगी, डॉ सरस्वती पुण्डीर, डॉ अशोक सैनी, भूपेन्द्र सिंह, वैष्णों कुमार, अनिल कुमार, शशि चौहान, जीपी सिलस्वाल, कविता, गरिमा, संदेश चौधरी आदि उपस्थित रहे।

सपनों को मिला सहारा : ग्रामोत्थान परियोजना से ज्योति की सफल उद्यम यात्रा

ए. गुप्ता

हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के विकासखंड बहादराबाद स्थित मिस्सरपुर गांव की निवासी ज्योति, पहले एक छोटे स्तर पर ब्यूटी पार्लर संचालित करती थीं। यह उनका एकमात्र आय स्रोत था और परिवार की आर्थिक स्थिति भी अत्यंत सामान्य थी। ऐसी स्थिति में ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना, जो कि उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति (यूजीवीएस) द्वारा संचालित है, ने हस्तक्षेप किया और उनकी उद्यमिता को सशक्त बनाने का बीड़ा उठाया। परियोजना के माध्यम से ज्योति को उनके पार्लर के विस्तार हेतु कुल 6, रुपये की लागत में से 35, रुपये का ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया गया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने स्वयं 5, रुपये का अंशदान दिया तथा उनके स्व-सहायता समूह 'निधि एसएचजी' और संगठन 'रिद्धि-सिद्धि' से 2, रुपये का सहयोग प्राप्त हुआ। यह समूह स्वागत सीएलएफ से संबद्ध है। इस वित्तीय सहायता और मार्गदर्शन के चलते ज्योति ने अपने पार्लर को आधुनिक उपकरणों व बेहतर सुविधाओं के साथ विस्तारित किया। आज, वह प्रतिमाह 1, से 12, रुपये की आय अर्जित कर रही हैं।

आगामी मानसून,चारधाम एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत सुरक्षित ढंग से संचालित करने के लिए तथा कोई घटना गठित होने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों के लिए दिया जा रहा है प्रशिक्षण

अमित गुप्ता

हरिद्वार। आगामी मानसून,चार धाम यात्रा एवं कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की आपदा गठित होने पर, त्वरित राहत एवं बचाव कार्य करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में जनपद के आपदा मित्रो (ग्रामीण स्वयंसेवको) को 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज कलेक्ट्रेट स्थित आपदा प्रबंधन कार्यालय सभागार में किया गया। परीक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत ने कहा कि आपदा की दृष्टि से जनपद हरिद्वार संवेदनशील है जहां बाढ़ की स्थिति से जलभराव ,भूस्खलन,गंगा घाटों पर यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत किसी भी प्रकार की घटना गठित होने पर उसमें तत्काल राहत एवं बचाव कार्य के लिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है ,उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल हुए आपदा मित्रो (ग्रामीण स्वयंसेवको) से कहा कि उन्हें आपदा प्रबंध के संबंध में जो भी प्रशिक्षण एवं जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है ,उसे भली भांति समझ

- आपदा तंत्र को मजबूत करने के लिए आपदा मित्रो (ग्रामीण स्वयंसेवको)के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ
- एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के जवान भी हुए प्रशिक्षण में शामिल।

ले ताकि कोई भी घटना गठित होने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य करते हुए, जानमाल की हानि को कम किया जा सके। उन्होंने ये भी निर्देश दिए है कि कोई भी घटना गठित होने पर उसकी सूचना आपदा कंट्रोल रूम को उपलब्ध करने के साथ ही घटना स्थल की सही लोकेशन उपलब्ध कराई जाए ताकि राहत एवं बचाव कार्य के लिए आपदा प्रबंधन टीम घटना स्थल पर पहुंच सके। उन्होंने ये भी कहा कि किसी भी प्रकार आपदा गठित होने पर हुए नुकसान का अभिलेखी करण भी जरूरी है,जिससे कि राहत एव बचाव कार्य के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा सके,उन्होंने ये भी कहा कि सभी आपदा मित्र आपदा कंट्रोल रूम के नंबरों का व्यापक प्रचार प्रसार करे ताकि दूर दर्ज क्षेत्रों में कोई घटना गठित होने पर इसकी जानकारी आपदा कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर एनडीआरएफ के इंस्पेक्टर पंकज सिंह ने किसी भी आपदा के गठित होने पर कम से कम समय में राहत एवं बचाव कार्य करते हुए ताकि कम से कम नुकसान हो। उन्होंने भूकंप आने पर भूकंप आने, बाढ़ आने, भूस्खलन होने,अग्नि से दुर्घटना गठित होने,नदी में डूबने आदि के संबंध में बरती जाने वाली सावधानी के संबंध में जानकारियां उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ विपिन चंद ने कहा कि किसी भी आपदा में घायल व्यक्तियों को त्वरित प्राथमिक उपचार एव बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में जानकारी दी। दूसरे सत्र में अग्निशमन अधिकारी ने आपदा मित्रो को जानकारी देते हुए कहा कि आगजनी के घटना गठित होने पर त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए की जाने वाली करवाई एवं बरती जाने वाली सावधानी के संबंध में भी विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस अवसर पर पुलिस उपाध्यक्ष शिशुपाल सिंह नेगी ने भी आपदा प्रबंधन एव वाटर रेस्क्यू के संबंध में जानकारी दी गई। इस अवसर पर हरिद्वार,लक्सर,रुड़की के आपदा मित्र (ग्रामीण स्वयंसेवको) सहित एनडीआरएफ,एसडीआरएफ के जवान मौजूद रहे।

हरिद्वार में ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई संपन्न

अमित कुमार

हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के विकास भवन रोशनाबाद स्थित जिला मुख्यालय में मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) श्रीमती आकांक्षा कोण्डे की अध्यक्षता में ग्राम्य विकास विभाग की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में ग्रामीण विकास से संबंधित विभिन्न प्रमुख योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की गई। बैठक में महात्मा गांधी नरेगा (मनरेगा) के तहत सोशल ऑडिट, 'मेरी गांव मेरी सड़क' पहल और अन्य संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (NRLM), मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना (RBI),

हाउस ऑफ हिमालयाज, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (DDUGKY), मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम, मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना, वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (PMGSY) के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की गई। श्रीमती कोण्डे ने सभी योजनाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर

मुख्य विकास अधिकारी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

जोर दिया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सके। बैठक में परियोजना निदेशक -डीआरडीए कैलाश नाथ तिवारी, जिला विकास अधिकारी वेदप्रकाश, समस्त खंड विकास अधिकारी हरिद्वार, ग्रामोत्थान रीप परियोजना के सहायक प्रबंधक, और एनआरएलएम की टीम ने प्रतिभाग किया। सीडीओ ने सभी अधिकारियों को योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने और निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना ने सुनीता देवी को बनाया सफल उद्यमी

वाणी

हरिद्वार। जनपद हरिद्वार के खानपुर ब्लॉक स्थित असगरपुर गाँव की श्रीमती सुनीता देवी ने ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से अपनी मेहनत और संकल्प के बल पर आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश की है। 'राखी' स्वयं सहायता समूह की सक्रिय सदस्य सुनीता देवी ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और आज एक सफल दुग्ध उत्पादन उद्यमी के रूप में अपनी पहचान बना चुकी हैं। सुनीता देवी के पास थोड़ी सी कृषि भूमि थी, लेकिन पारंपरिक खेती से आय सीमित थी। पति के निधन के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति और भी कठिन हो गई। ऐसे समय में उन्होंने कुछ नया करने का साहस किया और आर्थिक रूप से सशक्त बनने का निर्णय लिया। स्वयं सहायता समूह की बैठक के दौरान उन्हें ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना की जानकारी मिली, जो ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही थी। उन्होंने 'गोरधनपुर' सीएलएफ की बिजनेस प्रमोटर श्रीमती पिंकी से संपर्क किया और अपनी योजना साझा की। सुनीता देवी की लगन और ईमानदारी को देखते हुए परियोजना के अंतर्गत उन्हें ?35, की बिना ब्याज की ऋण राशि स्वीकृत की गई। इस सहायता

राशि से सुनीता देवी ने एक उन्नत नस्ल की दुधारू गाय खरीदी और दुग्ध उत्पादन इकाई की शुरुआत की। उन्होंने पशुधन विशेषज्ञों से प्रशिक्षण लिया और गाय की देखभाल, पौष्टिक आहार तथा स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया। दूध निकालने और स्थानीय बाजार में बेचने की व्यवस्थित योजना बनाई। कुछ ही समय में गाय ने अच्छी मात्रा में दूध देना शुरू कर दिया, जिससे उनकी आय में निरंतर वृद्धि हुई। अब वह न केवल अपने परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा कर पा रही हैं, बल्कि नियमित रूप से बचत भी कर रही हैं। इस उद्यम से उन्हें न सिर्फ आर्थिक लाभ मिला, बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक प्रतिष्ठा भी प्राप्त हुई। ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना की समय पर मिली सहायता और सुनीता देवी की अथक मेहनत ने उन्हें एक सशक्त महिला उद्यमी में परिवर्तित कर दिया है।

श्रीराम भक्त बालाजी प्रार्थना धाम मंदिर में मूर्ति स्थापना का तीसरा वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया

के.पी.एस. चौहान

हरिद्वार। शिव विहार, आर्य नगर ज्वालापुर स्थित श्रीराम भक्त बालाजी प्रार्थना धाम मंदिर में मूर्ति स्थापना के तीसरा वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर देश की उन्नति के लिए हवन, भण्डारा तथा सुन्दर कांड का आयोजन किया गया। श्री राम भक्त बालाजी प्रार्थना धाम ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट संस्थापक आर एस विश्वकर्मा (गुरुजी) ने कहा कि श्री बालाजी मंदिर में प्रार्थना मात्र से ही भक्तों के सब कष्ट एवं रोग दूर होते हैं तथा मनोरथ कार्य सफल होते हैं । उन्होंने कहा कि हवन से वातावरण में शुद्धि होती है इसलिए हवन का कराया जाना आवश्यक है। इस अवसर पर ओम प्रकाश ने कहा कि यह श्री बालाजी मंदिर भक्तों के कष्ट निवारण करने वाला नगर का एकमात्र मंदिर है।

भाजपा द्वारा आयोजित जिला प्रोफेशनल मीट प्रदर्शनी का कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत ने किया उद्घाटन

डॉ हिमांशु द्विवेदी

हरिद्वार। केंद्र सरकार के सफलतम 11 वर्ष पूर्ण होने पर स्थानीय होटल में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कि जिसमें सर्वप्रथम मुख्य वक्ता के रूप में पहुंचे प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्र की मोदी सरकार के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूरे होने पर उपलब्धियां बताई। तत्पश्चात सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाई गई जिसका उद्घाटन आए हुए अतिथियों ने किया। जिला प्रोफेशनल मीट में अपने स्वागत संबोधन में हरिद्वार विधायक मदन कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विकसित भारत के अमृत काल में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के विकास की नई यात्रा तय की है मोदी सरकार की हर योजना में केंद्र और जनकल्याण और आम नागरिक के जीवन को आसान करने के साथ-साथ देश को वैश्विक स्तर पर नए आयाम देने की भावना रही है। वक्ता के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री व हरिद्वार जिला प्रभारी आदित्य चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक

प्रगति की है। एन सी एस सी जैसे संस्थानों की स्थापना ने देश के महत्वपूर्ण ढांचों को साइबर हमलों से सुरक्षित किया है। आकाश ब्रह्मोस और अग्नि जैसे मिसाइल का सफल परीक्षण भारत की बढ़ती सामरिक ताकत और रक्षा आत्मनिर्भरता का प्रमाण है राफेल विमान के आगमन और एस-4 प्रणाली की तैनाती से भारत की वायु सुरक्षा अजेय बनी है यह एक ऐसा भारत है जो न केवल सीमाओं की रक्षा कर सकता है बल्कि शांति बनाए रखने के लिए भी सक्षम शक्ति के रूप में भी खड़ा है।भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों और एयरबेस को ध्वस्त कर यह दिखा दिया कि अब मोदी का यह भारत शांति की बातें नहीं बल्कि घर में घुसकर आतंक का सफाया करता है। दर्जाधारी राज्य मंत्री डॉ देवेंद्र भसीन ने बताया कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना से 81 करोड लोगों को मुफ्त अन्न दिया जा रहा है प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक पक्के घर बना रहे हैं जल जीवन मिशन के तहत 15 करोड़ से अधिक घरों में नल से जल पहुंचा और वहीं स्वच्छ भारत अभियान के तहत बनाए गए 12 करोड़ शौचालय से हमारी माता बहनों को गरिमा पूर्ण जीवन दिया। साथ ही साथ प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना के तहत 4 करोड़ स्वास्थ्य बीमा कार्ड जारी किए गए जिनमें 9 करोड़ से अधिक अस्पतालों में मुफ्त इलाज दिया गया। प्रदेश के शिक्षा एवं स्वास्थ्य कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि विकसित भारत के लिए पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने सेवा को संकल्प बनाया सुशासन को संस्कृति और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है नया भारत यही है विश्व का विश्वास के संकल्प को आगे लेकर काम किया है। संकट काल के दौरान मोदी सरकार ने अपने नागरिकों को विश्व भर के हर कोने से सुरक्षित निकालकर यह सिद्ध किया है कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार केवल सीमाओं के भीतर ही नहीं विश्व भर में भारतीयों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ-साथ विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। आज भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की और अग्रसर है वैश्विक डिजिटल लेनदेन में 49% लेनदेन भारत में होते हैं देश का वस्तु और सेवा निर्यात 825 अरब डालर तक पहुंच गया है। देश के अन्नदाता ही भारत की ताकत है 225 - 26 के कृषि बजट को रिकॉर्ड 5 गुना बढ़ाया गया है प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 11 करोड़ से अधिक किसानों को 3.7 लाख करोड़ अब तक दिए जा चुके हैं जिसके साथ ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अब तक 1.75 लाख करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है जिससे हमारे देश का किसान और मजबूती के साथ अपने राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। आज डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभार्थी के खाते में पैसा देकर भ्रष्टाचार को खत्म करने का काम हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महामंडलेश्वर स्वामी रूपेंद्र प्रकाश महाराज ने सभी आए हुए अतिथियों को विकसित भारत 247 के संकल्प को पूर्ण करने की शपथ दिलाई और कहा कि हम सब का गौरव है कि आज जिस प्रकार से आज देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीयों का मान बढ़ाया है हर भारतीय आज अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब भ्रष्टाचार मुक्त क्षमता मूलक समरस समाज के निर्माण में अपना योगदान देते हुए औपनिवेशिक मानसिकता वंशवादी राजनीति की बुराई के खिलाफ आवाज उठाएं।

विकसित भारत के अमृत काल में देश का प्रथम रेल व परिवहन विश्वविद्यालय 11वर्षो की उपलब्धि का हिस्सा : धन सिंह रावत

डॉ हिमांशु द्विवेदी

हरिद्वार। उत्तराखंड सरकार के उच्च शिक्षा स्वास्थ्य एवं सहकारिता मंत्री धन सिंह रावत केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि मोदी जी के नेतृत्व में देश का पहला रेल और परिवहन विश्वविद्यालय बनाया गया।मोदी जी के कार्यकाल में जो नॉर्थ ईस्ट हमारा पूरा इलाका है आजाद भारत में पहली बार वहां एक एम्स बनाया गया। लेह लद्दाख में कोई डिग्री कॉलेज भी नहीं था, मोदी जी के नेतृत्व में पहला केंद्रीय विश्वविद्यालय खुला है हर जिले में मेडिकल कॉलेज बनकर तैयार हो गए हैं और कुछ तैयार हो रहे हैं पहले 51 बच्चे हमारे देश में एमबीबीएस करते थे आज मोदी जी के कारण जब से वह देश के प्रधानमंत्री बने हैं देश में हर साल 121 276 एमबीबीएस डॉक्टर तैयार हो रहे हैं, 142 52 पीएम श्री स्कूल मोदी जी के नेतृत्व में कौशल विकास में लाखों युवाओं को मुक्त प्रशिक्षण दिया गया।मोदी जी के नेतृत्व में नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परंपरा आधारित शिक्षा दी जाएगी , आज मोदी के नेतृत्व में पूरे उत्तराखंड में उड़ान योजना चलाई जा रही है नेशनल हाईवे बनने और रेल कनेक्टिविटी से हमारे चारों धाम जोड़ रहे हैं हमारा जो बागेश्वर से लेकर और टनकपुर तक इसका रेल लाइन के सर्वे के लिए हमारे मोदी जी ने पैसा दे दिया है हरिद्वार जिले में भी देश का 612 वां मेडिकल कॉलेज शुरू हो गया है हरिद्वार में खेल स्टेडियम बनाया जा रहा है यहां पर रिंग रोड का निर्माण किया जा रहा है और इतना ही नहीं आज हमारे देश में 214 के बाद जब से मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने हैं 23 में एम्स खोले गए जब से मोदी जी प्रधानमंत्री बने देश के 214 के बाद आई आई टी नए बनाए गए और इतना ही नहीं 57 विश्वविद्यालय और आज देश में 1 अटल पेंशन लैब जो है मोदी जी के नेतृत्व में दिए गए हमारे साइंस के बच्चे जो है उनके लिए केमिस्ट्री , जियोग्राफी , जीव विज्ञान और भौतिक विज्ञान की प्रयोगशालाएं पूरे देश में लगाएंगे। देश समझ गया है कि मोदी है तो मुमकिन है सिर्फ नारा नहीं एक यह एक जमीनी हकीकत है अंतरराष्ट्रीय मीडिया में 11 वर्षों में आज देश का मान सम्मान बढ़ाने का काम हमारे प्रधानमंत्री जी ने किया है ।

जिलाधिकारी प्रत्येक सोमवार को सीधे करेंगे जन सुनवाई

अमित कुमार

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि जनपद में भ्रष्टाचार और लापरवाही पर प्रभावी अंकुश लगाने, सुशासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रत्येक सोमवार को प्रात: 1 बजे से जिला कार्यालय में जनपद वासियों की सीधे समस्याओं को सुनकर उनका मौके पर ही निस्तारण किया जायेगा। जिसके लिए जनपद के सभी कार्यालय अध्यक्ष तथा जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी व्यक्ति सोमवार को प्रात: 1 बजे जिला कार्यालय पहुँचकर सीधे अपनी समस्या रख सकता है। उन्होंने बताया कि जन सुनवाई के दौरान प्राप्त होने वाली शिकायतों से अधिकारियों तथा कर्मचारियों फील्ड में संक्रियता, कार्मिकों की कार्य पद्धति एवं कार्य शैली का आंकलन भी

किया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी फील्ड स्तरीय कार्मिकों को अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर जन समस्याएं सुनते हुए मौके पर ही निस्तारण की हिदायत दी। उन्होंने कहा कि सरकार जनता के द्वार की परिकल्पना को साकार करते हैं तो व्यक्तियों को जन सुनवाई के लिए मुख्यालय की भाग-दौड़ नहीं करनी पड़ेगी। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को प्रत्येक सोमवार को विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की अद्यतन सूचनाओं सहित स्वयं उपस्थित होने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि कोई भी अत्यावश्यक कार्य पड़ने पर जिलाधिकारी की पूर्वानुमति के बिना किसी भी अधीनस्थ कर्मचारी को जन सुनवाई में न भेजा जाये और न ही जन सुनवाई में अनुपस्थित हों।

डीएम की चली तबादला एक्सप्रेस

अमित कुमार

हरिद्वार। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दी गए निर्देशों के क्रम में कार्यों में और अधिक पारदर्शिता व निष्पक्षता प्रदान करने, कर्मचारियों की दक्षता और संतुलन बनाए रखने, अनुभव और विकास के समान अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही प्रशासनिक प्रबन्धन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जनपद में बंपर स्थानांतरण किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दी गए निर्देशों के क्रम में तथा उत्तराखंड ट्रांसफर एक्ट के अनुपालन में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा 5 साल से एक ही तहसील में जमे 7 रजिस्टार कानूनगो का स्थानांतरण एक तहसील से दूसरी तहसील में किया गया है। इसके साथ ही 36 राजस्व उपनिरीक्षकों एवं लेखपालों का स्थानांतरण एक तहसील से दूसरी तहसील में किया गया है ।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अमित कुमार ने अमर प्रिंटिंग प्रेस, मौहल्ला कड़च्छ, निकट-आईस फैक्टी, ज्वालापुर हरिद्वार से मुद्रित तथा श्री श्याम कुटीर, 29ए, निर्मल विहार, मिश्रा गार्डन, कनखल, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)-249408 से प्रकाशित किया।

सम्पादक
अमित कुमार
मो. 094120255572

E-mail.
guptaamit1968@gmail.com
guptasaransh11@gmail.com

कानूनी सलाहकार
के.पी.एस.चौहान
(एडवोकेट)

पंजीयन संख्या: UTTHIN/2006/17322
डाक पंजीयन संख्या यू.ए./डी.ओ. दे.दून/291/2024-26

नोट:-समस्त विवादों के लिये हरिद्वार न्याय क्षेत्र ही मान्य होगा सभी पद अवैतनिक है।